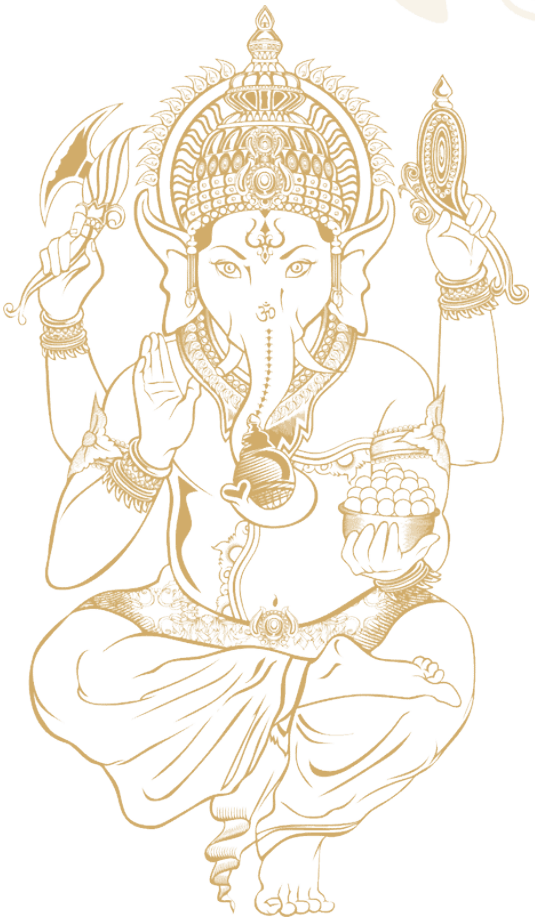

Vaibhav Shrishti

Model: Web-FreeMatching

Order No: 121391202

पुल्लिंग	लिंग	स्त्रीलिंग
11/07/1996	जन्म तिथि	16-17/08/2002
गुरुवार	दिन	शुक्र-शनिवार
घंटे 13:10:00	जन्म समय	02:55:00 घंटे
घटी 18:21:42	जन्म समय(घटी)	52:04:31 घटी
India	देश	India
Neemuch	स्थान	Dausa
24:27:00 उत्तर	अक्षांश	26:51:00 उत्तर
74:56:00 पूर्व	रेखांश	76:21:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे -00:30:16	स्थानिक संस्कार	-00:24:36 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
05:49:19	सूर्योदय	05:56:29
19:22:08	सूर्यास्त	19:00:50
23:48:35	चित्रपक्षीय अयनांश	23:53:22

विंशोत्तरी	अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी
सूर्य 1वर्ष 3मा 18दि	02:49:15	तुला	लग्न	मिथु	19:51:50	बुध 14वर्ष 7मा 15दि
राहु	25:28:04	मिथु	सूर्य	कर्क	29:56:29	शुक्र
29/10/2014	07:06:39	वृष	चंद्र	वृश्चि	18:31:44	01/04/2024
29/10/2032	26:20:34	वृष	मंगल	कर्क	28:00:54	01/04/2044
राहु 11/07/2017	25:24:02	मिथु	बुध	सिंह	22:53:12	शुक्र 02/08/2027
गुरु 05/12/2019	18:04:52	धनु व	गुरु	कर्क	09:25:53	सूर्य 01/08/2028
शनि 11/10/2022	19:27:16	वृष	शुक्र	कन्या	15:49:29	चन्द्र 02/04/2030
बुध 29/04/2025	13:32:33	मीन	शनि	मिथु	02:32:01	मंगल 02/06/2031
केतु 18/05/2026	18:22:26	कन्या व	राहु	वृष	21:35:15	राहु 02/06/2034
शुक्र 18/05/2029	18:22:26	मीन व	केतु	वृश्चि	21:35:15	गुरु 31/01/2037
सूर्य 11/04/2030	09:20:53	मक व	हर्ष व	कुंभ	03:05:29	शनि 01/04/2040
चन्द्र 11/10/2031	02:45:19	मक व	नेप व	मक	15:17:44	बुध 31/01/2043
मंगल 29/10/2032	06:46:01	वृश्चि व	प्लूटो व	वृश्चि	21:02:07	केतु 01/04/2044

लग्न-चलित

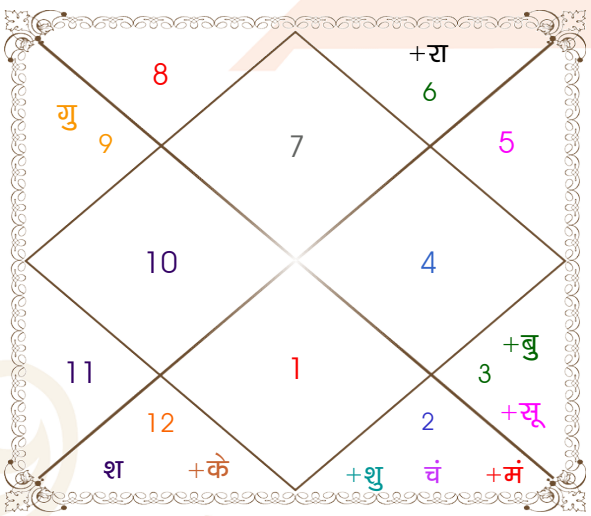

लग्न-चलित

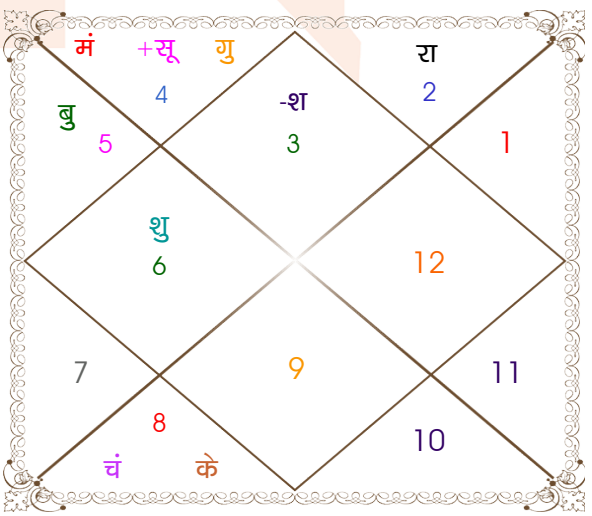

अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	वैश्य	विप्र	1	0.00	--	जातीय कर्म
वश्य	चतुष्पाद	कीटक	2	1.00	--	स्वभाव
तारा	क्षेम	वध	3	1.50	--	भाग्य
योनि	मेष	मृग	4	3.00	--	यौन विचार
मैत्री	शुक्र	मंगल	5	3.00	--	आपसी सम्बन्ध
गण	राक्षस	राक्षस	6	6.00	--	सामाजिकता
भकूट	वृष	वृश्चिक	7	7.00	--	जीवन शैली
नाड़ी	अन्त्य	आद्य	8	8.00	--	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	29.50		

टंपड्डींअ का वर्ग गरूड़ है तथा ॅ्तपीजप का वर्ग सर्प है। इन दोनों वर्गों में परस्पर शत्रुता है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार टंपड्डींअ और ॅ्तपीजप का मिलान अत्युत्तम है।

मंगलीक दोष मिलान

टंपड्डींअ मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में अष्टम् भाव में स्थित है।

कुजजीवो समायुक्तो युक्तो व कुजचन्द्रमा।
न मंगली मंगल राहु योग।

यदि मंगल-गुरु या मंगल-राहु या मंगल-चंद्र एक राशि में हों तो मंगली दोष भंग हो जाता है।

क्योंकि मंगल एवं चन्द्र टंपड्डींअ कि कुण्डली में एक राशि में हैं अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

ॅ्तपीजप मंगलीक नही है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में द्वितीय भाव में स्थित है।

गुणबाहुल्ये भौमदोषो न विद्यते।।

यदि अधिक गुण मिलते हों तो मंगल दोष नहीं लगता।

क्योंकि अधिक गुण मिलते हैं अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

टंपड्डींअ तथा ॅ्तपीजप में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

अष्टकूट एवं मंगलीक दोष न होने के कारण दोनों का मिलान उत्तम हैं।